उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्

आचार्य–प्रथम वर्ष, शुक्लयजुर्वेद पाठ्यक्रम

प्रथम सेमेस्टर

प्रथमपत्रम् :– (क) शुक्लयजुर्वेदसंहिता (15–16 अध्यायौ) महीधरभाष्यम् **– 46 अंकाः**

(ख) अर्थसंग्रहः (आदितः अधिकारविधिनिरूपणान्तम्) **– 34 अंकाः**

द्वितीयपत्रम् :– (क) ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका–स्वामीदयानन्द

अथवा

ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका–आचार्य सायण **– 80 अंकाः**

तृतीयपत्रम् :– शतपथब्राह्मणम् (प्रथमकाण्डस्य 5–6 अध्यायौ) **– 80 अंकाः**

(प्रो0 युगलकिशोर मिश्र द्वारा सम्पादित तथा सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित)

चतुर्थपत्रम् :– जैमिनीयन्यायमाला (प्रथमोऽध्यायः) चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी। **– 80 अंकाः**

पंचमपत्रम् :– वैदिकसाहित्यस्येतिहासः **– 80 अंकाः**

सहायक ग्रन्थ :–

1. वैदिकसाहित्येतिहासः –प्रो0 वलदेव उपाध्याय कृत (चौखम्बा प्रकाशन)।
2. वैदिकवाङ्मयस्येतिहासः–डॉ0 कपिल देव द्विवेदी (वि0वि0 प्रकाशन चौक वाराणसी)।

नोट : प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

अंक विभाजन :– प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड में चार में से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। द्वितीय खण्ड में भी चार में से दो प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। तृतीय खण्ड में सभी पांच प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा।

आचार्य–प्रथम वर्ष, शुक्लयजुर्वेद पाठ्यक्रम
द्वितीय सेमेस्टर

प्रथमपत्रम् :– (क) शुक्लयजुर्वेदसंहिता (17–18 अध्यायौ) महीधर–दयानन्दभाष्ययोः तुलनात्मकमध्ययनम् **– 46 अंकाः**

(ख) अर्थसंग्रहः (मीमांसाप्रकरणतः समाप्तिं यावत्) **– 34 अंकाः**

द्वितीयपत्रम् :– कात्यायनश्रौतसूत्रम् (प्रथमोऽध्यायः) **– 80 अंकाः**

तृतीयपत्रम् :– शतपथब्राह्मणम् (प्रथमकाण्डस्य 7–8 अध्यायौ) **– 80 अंकाः**

चतुर्थपत्रम् :– जैमिनीयन्यायमाला (द्वितीयोऽध्यायः) **– 80 अंकाः**

पंचमपत्रम् :– वेदभाष्यकाराणां भाष्यवैशिष्ट्यविवेचनम् (यजुर्वेदसम्बद्धानाम्) **– 80 अंकाः**

नोट : प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

अंक विभाजन :– प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड में चार में से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। द्वितीय खण्ड में भी चार में से दो प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। तृतीय खण्ड में सभी पांच प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा।

आचार्य–द्वितीय वर्ष, शुक्लयजुर्वेद पाठ्यक्रम
तृतीय सेमेस्टर

प्रथमपत्रम् :– शुक्लयजुर्वेद संहिता (19–21 अध्यायाः) **– 80 अंकाः**
(महीधर–दयानन्दभाष्ययोः तुलनात्मकमध्ययनम्)

द्वितीयपत्रम् :– (क) कात्यायन श्रौतसूत्रम् (द्वितीयोऽध्यायः) **– 50 अंकाः**
(ख) इष्टिप्रयोगः (प्रो0 रमेशचन्द्र दास शर्मा, मान्यता प्रकाशन 67 मायाकुंज) **– 30 अंकाः**

तृतीयपत्रम् :– (क) बृहद्देवता (1–2 अध्यायौ) **– 46 अंकाः**
(ख) बृहदारण्यकोपनिषद् (1–3 अध्यायाः) **– 34 अंकाः**

सहायक ग्रन्थ :– बृहद्देवता–रामकुमार राय, चौखम्बा प्रकाशन।

चतुर्थपत्रम् :– वेदभाष्यभूमिकासंग्रहः–आचार्य सायणः **– 80 अंकाः**
(तैत्तिरीयसंहिताभाष्यभूमिका तथा ऋग्वेदसंहिताभाष्यभूमिका)

पंचमपत्रम् :– वैदिक निबन्धा :– **– 80 अंकाः**

I. वैदिकदेवतावादः–अग्नि–इन्द्र–वरूण–मरूत–पुरूष–हिरण्य–गर्म–अश्विनौ–आदयः।
II. वेदेषु दार्शनिक तत्त्वानि।
III. वेदाः पर्यावरणञ्च।
IV. वेदानां वर्णनशैलयः।
V. वेदेषु लोककल्याणम्।

यथेच्छं द्वयोरूपरि विस्तृत–निबन्धलेखनम्। **(प्रत्येक 40 अंकाः = 40 × 2 = 80 अंकाः)**

अथवा

लघुशोधप्रबन्धः।

नोट : प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

अंक विभाजन :– प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड में चार में से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। द्वितीय खण्ड में भी चार में से दो प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। तृतीय खण्ड में सभी पांच प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा।

आचार्य–द्वितीय वर्ष, शुक्लयजुर्वेद पाठ्यक्रम
चतुर्थ सेमेस्टर

प्रथमपत्रम् :– (क) शुक्लयजुर्वेद संहिता (30–32, 36, 40 अध्यायाः) आचार्य–सायण–दयानन्दभाष्ययोः तुलनात्मकमध्ययनम् **– 50 अंकाः**

(ख) सूक्तरत्नसमुच्चयः (गोपालचन्द्रमिश्र) **– 30 अंकाः**

द्वितीयपत्रम् :– कात्यायनश्रौतसूत्रम् (3–4 अध्यायौ) **– 46 अंकाः**

अष्टविकृतिलक्षणसोदाहरणञ्च **– 34 अंकाः**

तृतीयपत्रम् :– बृहद्देवता (3–4 अध्यायौ) **– 46 अंकाः**

कठोपनिषद् **– 34 अंकाः**

चतुर्थपत्रम् :– भाषाविज्ञानम् :–

I. भाषाविज्ञानस्य परिभाषा, क्षेत्रम्, अंगानि, शाखाश्च। भाषायाः परिभाषा रूपाणि च। भाषायाः स्वरूपम्, उद्गमः विकासश्च। **– 16 अंकाः**

II. ध्वनिविज्ञानं, ध्वनिपरिवर्तनस्य कारणानि, ध्वनिनियमाः। **– 16 अंकाः**

III. अर्थविज्ञानं, अर्थपरिवर्तनस्य दिशाः कारणानि च। **– 16 अंकाः**

IV. भाषायाः वर्गीकरणं, आकृतिमूलकं पारिवारिकञ्च। **– 16 अंकाः**

V. भाषाशास्त्रस्येतिहासः–भारते भाषाशास्त्रीयचिन्तनम्। **– 16 अंकाः**

सहायकग्रन्थः–

1. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र–डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी (वि0वि0 प्रकाशन, वाराणसी)।
2. भाषा विज्ञान–डॉ0 कर्णसिंह (साहित्य भण्डार, मेरठ)।

पंचमपत्रम् :– प्रयोगात्मकं (सस्वरमन्त्रोच्चारणम्) मौखिकञ्च। **– 50+50= 100 अंकाः**

नोट : प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

अंक विभाजन :– प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड में चार में से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। द्वितीय खण्ड में भी चार में से दो प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। तृतीय खण्ड में सभी पांच प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा।